

आखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज

बुधवार 12 जुलाई 2023

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुत्थाति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

सिनेमाघरों में खाने-पीने की चीजें अब सर्ती मिलेंगी, जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में फैसला

ऑनलाइन गेमिंग, घुड़सवारी पर लगेगा 28% टैक्स



जून में हुआ था 1.61 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन

सरकार ने जून 2023 में युद्धस एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 50वीं बैठक में मंगलवार को आँनलाइन गेमिंग, घुड़सवारी और कसीनो पर 28% टैक्स लगाने का फैसला किया गया है। इन पर 18% टैक्स लगता था। काउंसिल ने केंसर की दबाव के इंपोर्ट पर लगाने वाले जीएसटी को भी हटाने की मंजूरी दी है। सिनेमा हाल में खाने-पीने की चीजों के बिल पर लगने वाले जीएसटी को कम करने की सिफारिश को भी मंजूरी मिली। अब इसमें 18% के बजाय 5% जीएसटी लगेगा। रेयर डिजीज में इस्तेमाल होने वाले फूड फॉर स्पेशल मेडिकल पर्सन पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। मीटिंग के बाद फाइंडेंस मिनिस्टर निर्मल सीतारमण ने इन फैसलों की जानकारी दी।

अपीलेट ट्रिभ्यूनल बनाने को मिली मंजूरी जीएसटी काउंसिल ने फिटेंट कमेटी के सभी सुचारों को मंजूरी दी। काउंसिल ने जीएसटी ट्रिभ्यूनल बनाने की चाही दी है। सिनेमा जीएसटी से जुड़े चिकित्सकों का नियारा जल्द से जल्द हो सकेगा। महाराष्ट्र ने राज्य में 7 अपीलेट ट्रिभ्यूनल बनाने की मांग की है। 4 को पहले चरण में मंजूरी दी जाएगी, बाकी तीन को अगले चरण में हांडी ढाई गिरेगी।

रेयर बीमारियों दबाए था संस्कृत फूड कानी ज्यादा महीने: रेयर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दबाएं या स्पेशल फूड काफी ज्यादा महीने होते हैं। इन्हें इंपोर्ट भी करना पड़ता है। सरकार ने अपने एक अनुमति में बताया था कि 10 किलोग्राम वजन वाले बच्चे के लिए कुछ किटिकल बीमारियों के इलाज की एनुअल कॉस्ट 10 लाख रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से ज्यादा हो सकती है। इसमें ट्राईमेंट का कहना था कि जिस दबा की कीमत 26

लाख करोड़ रुपए रहा था। वही, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में जीएसटी का ग्रॉस रेवन्यू, इससे पिछले फाइनेंशियल ईयर 2021-22 की तुलना में 22% ज्यादा रहा था।

6 लाख पहले लागू हुआ था जीएसटी जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स (वैट), सर्विस टैक्स, परवेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी और कई इनडायरेक्ट टैक्सों को रिलेस करने के लिए 6 साल पहले 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 28% के बारे रखी हैं। हालांकि गोल्ड और गोल्ड जेलरी पर 3% टैक्स लगाता है।

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में कैसा रहा जीएसटी कलेक्शन

पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोल 18.10 लाख करोड़ रुपए रहा है। जीएसटी को अपार्टमेंट बाली का दबाव को देता है। इसके आधार पर हर महीने पहले मई 2023 में ये 1.57 लाख करोड़ रुपए रहा था।

